

चूत चोदने की दीवानगी

“पड़ोस की एक आंटी के बेटे को पढ़ाने के दौरान वो मुझसे खुल गई और हम सेक्स की बातें करने लगे. मैं उनके बदन को छू लेता था. एक बार वो मेरे घर आई तो उन्हें पकड़ लिया ...”

Story By: भोले दूबे (bhole_dubey)

Posted: Sunday, August 23rd, 2015

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [चूत चोदने की दीवानगी](#)

चूत चोदने की दीवानगी

दोस्तो, मैं दिल्ली में रहने वाला एक नवयुवक हूँ, इस साईट का एक नियमित पाठक हूँ।

मेरे साथ यह घटना मुझसे उम्र में बड़ी एक आंटी के साथ घटी थी। आंटी जी मेरे पड़ोस में ही रहती थीं।

आंटी के कहने पर मैं उनके लड़के को पढ़ाने लगा और इस बहाने मुझे उनके घर जाने का अवसर मिलने लगा। धीरे-धीरे मेरी उनसे बातचीत होने लगी और अब तो हँसी-मजाक भी होने लगा था।

आंटी मुझसे अब खुलने लगी थीं.. और अब तो कभी-कभी आंटी के पिछवाड़े पर भी हाथ रख देता था.. उनके सामने अपना लण्ड खुजा लेता था। उस वक्त वो मुझे लौड़ा सहलाते और खुजाते देख कर एक कंटीली मुस्कान छोड़ देती थीं।

धीरे-धीरे हम दोनों के नैन-मटक्का होने लगे और सेक्स की बात भी होनी शुरू हुई।

मैंने उसको पहले ही बता दिया था कि मेरी 4 गर्ल-फ्रेंड हैं जो कि मेरे साथ सेक्स करती हैं वो मेरी इस बात से बड़ी खुश हुईं।

फिर मुझको पता चला कि उसकी शादी को 6-7 साल हो गए हैं और उसके पति ने सिर्फ उसके साथ कुछ बार ही चुदाई की है।

मैंने बोला- यह तो बहुत ही गलत तरीका था यदि आपकी जिस्म की भूख शांत नहीं होगी तो फिर तो पति-पत्नी का कैसा रिश्ता है।

उसने बोला- हाँ.. मैं तो बहुत जिद करती थी.. मगर वो नपुंसक भी हैं.. जब उसका घुसता था.. तो अच्छा तो लगता था.. मगर वो मज़ा नहीं आता था।

मैंने उसको बोला- मैं कुछ मदद करूँ।
वो हँस पड़ी और उसने बात टाल दी।

वो मुझसे बहुत ही ज्यादा बात करती थीं और उनकी चुदास बढ़ती जा रही थी जो मुझे उनकी नजरों में मेरा लवड़ा देख कर समझ में आ जाती थी।

यह सब समझ कर अब जब भी मैं उनके घर जाता तो उसके बेटे को कह देता था कि जा.. मेरे भाई के साथ खेलने जा.. वो जब चला जाता.. तो मैं उनके साथ बात करते-करते अपने जिस्म को उनसे स्पर्श कर देता था जिससे उन्हें अच्छा लगता था और अब तो वे भी मुझसे चिपकने की कोशिश करने लगी थीं।

धीरे-धीरे मैंने कपड़ों के ऊपर से ही उसकी गाण्ड पर अपना हाथ फेरना शुरू कर दिया था और कई बार तो रसोई में जाकर उनके पीछे खड़ा होकर उनके चूतड़ों की दरार में अपना लण्ड फेर देता था, मौका देख कर उनके ब्रेजियर में हाथ डाल देता था।
वो मुझसे चुदने को लगभग तैयार हो चुकी थीं अब बस किसी मौके की तलाश थी।

फिर अचानक मेरी मम्मी ने अपने काम के चलते सुबह-सुबह 10 बजे से 1.30 बजे तक बाहर जाना शुरू किया।

आंटी इस समय मेरे घर आने लगी थीं.. कभी फोन करने के बहाने भी आ जाती थीं।
एक बार जब वो आई.. तो मम्मी बाहर गई थीं.. उनको फोन पर बात करनी थी।

मैंने जानबूझ कर दूसरा खराब फोन लगाया था। जब फोन नहीं लगा तो बोली- तुम मिला के दो..

फोन मिलाने के बहाने से मैं उससे चिपट गया।

उसने बोला- ऐसा मत करो.. अच्छा नहीं लगता.. कोई देख लेगा।

मैंने बोला- कुछ नहीं होगा..
मगर फिर वो हँस कर बोली- अच्छा, मेरे घर आना..
वो यह कह कर चली गई।

जब मैं उसके घर गया तो उसके घर में कोई नहीं था.. और वो कमरे में काम कर रही थी..
कोई आहट किए बिना उसके पीछे से उसके चूतड़ों से लग गया।
उसने बोला- कोई आ जाएगा..
तो मैंने बोला- बस एक बूँद टपकने दो..
फिर उसने कुछ नहीं कहा।

मैं उससे जोरों से चिपक गया और उसके कपड़ों के ऊपर से मैं सेक्स करने लगा था।

फिर मेरी बूँद टपक गई.. उसने बोला- अब क्या होगा ?
मैंने बोला- कुछ नहीं होगा..

फिर वो एक बार फोन करने आई तो मैंने बोला- तुम पजामा सूट में अच्छी लग रही हो।
वो काले रंग का पजामा पहन कर आई थी।

उसने फोन किया.. तब तक मैंने उसके पजामा के अन्दर गाण्ड में हाथ डाल दिया और
हिलाने लगा.. फिर चूत में उंगली फेरी.. वो अपने किसी ब्वाँय-फ्रेंड से बात कर रही थी।
उसने कुछ नहीं बोला.. मेरी वजह से उसे कुछ मजा सा आने लगा।
जब मैंने उंगली अन्दर घुसाई और फिर उसे चाट लिया.. वो हैरानी से बोली- तुमने अपनी
उंगली चाट ली ?

मैंने बोला- हाँ.. मुझे मजा आता है.. आई लव यू..
मैं उसको चूमने लगा।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

उसकी ब्रा का हुक मैंने पहले ही खोल दिया था.. अब मैंने उसको गोद में लेकर बिस्तर पर पटक दिया.. मगर मेरी किस्मत ने साथ नहीं दिया.. उसका छोटा बेटा आ गया.. क्योंकि दरवाजा खुला रह गया था। हमने कपड़े पहन लिए उसने मुझसे 'सॉरी' बोला.. तो मैंने उसके होंठों को चूम लिया।

फिर कुछ दिन बाद मेरे पेरेंट्स को 5 दिनों के लिए शहर से बाहर जाना पड़ा मैं नहीं गया.. मेरी माँ मेरी देखभाल के लिए आंटी को बोल गई थीं कि मेरा ख्याल रखना। मैं उसके घर नहीं जा सकता था.. उधर उसकी ननद आई हुई थी। उसने रात को फोन करके कहा- तुम आ जाओ।

मैं उसके घर गया तो उसने काले रंग का जालीदार गाउन पहना था.. वो बहुत ही कामुक लग रही थी मैंने जाकर सीधे उसको अपनी बाँहों में भर लिया। उसने जल्दी से दरवाजा बन्द कर दिया और एक-दूसरे से लग गए।

मैंने उसके कपड़े उतारे.. हम दोनों नंगे हो गए.. मैंने पहले उसके बड़े-बड़े दूध चूसे फिर उसको अपना लौड़ा चुसवाया। पूरे कमरे में लण्ड चूत की महक फैल गई थी। उसकी चूत में से टप-टप करके माल निकल रहा था और मैं उसको चाट रहा था।

फिर मैंने उसको लिटा कर उसकी बुर में अपना लौड़ा घुसा दिया.. वो चीख पड़ी और उसने मुझको कस कर पकड़ लिया। वो सिसियाते हुए बोली- आज तुम मेरे दर्द की परवाह मत करना.. चूत को फाड़ ही दो.. मुझे चोद ही दो.. कुछ नहीं होगा। मैंने उसकी चूत में लण्ड को और अन्दर घुसाना शुरू किया।

जल्द ही उसने अपना रस छोड़ दिया और 'पुच.. पुच..' की आवाजें आने लगी थीं.. हम

चुम्बन में लगे हुए थे।

कुछ देर बाद मैंने भी रस छोड़ दिया और हम दोनों एक दूसरे से चिपक कर लेट गए।

फिर मैंने जब गाण्ड चोदने को उसको मोड़ा तो पता चला कि उसकी ननद हमको चुदाई में लिप्त हुई देख रही है, वो गरम होकर अपने दूध दबा रही थी।

हमने उसको भी अपने नजदीक बुला लिया।

उसका पहली बार था.. आंटी ने पहले तो अपनी गाण्ड को बुरी तरह से चुदवाया। वो आंटी की चूत चाटती रही और मैं उसके चीकू जैसे दूध मसलता रहा।

फिर आंटी और मैंने मिल कर आंटी की ननद की चूत चुदाई की.. वो चिल्ला रही थी..

उसकी गाण्ड से ले तक मैंने उसके हर हिस्से को खूब मसला और उसे चोद-चोद कर अपना माल बना डाला।

वो पहली बार की इस चुदाई से कराह रही थी.. तब भी उसे बहुत मजा आया था.. इसलिए उसने अपनी टाँगें खोल दीं और बोली- आह्ह.. एक बार और चुदाई करो..

मैंने कुछ देर बाद उसे फिर से चोदा.. अब हम तीनों ने जम कर चुदाई का आनन्द लिया।

मेरा माल आंटी की चूत में छूट गया था तो आंटी को लगा कि कहीं वो पेट से न रह जाएं.. इसलिए उन्होंने अपने पति के साथ सोते हुए में सेक्स किया।

फिर जब उनका बच्चा पैदा हुआ.. तो मैंने उनका दूध भी खूब पिया.. खूब चोदा और ये सब 2-3 साल तक खूब चला।

इसी बीच उसने उसने अपनी बहन को मुझसे चुदवाया.. उनके यहाँ एक नौकरानी आती थी उसकी भी चूत मुझे चोदने को मिली।

अब आंटी दूसरे शहर चली गई हैं। जब कभी भी वे रहने के लिए आती हैं.. मुझे उनकी चूत

चोदने का अवसर मिलता रहता है और हम दोनों ही बहुत मज़ा करते हैं ।

दोस्तो, यह मेरी सच्ची घटना थी जो मैंने आप सभी के सामने पेश की है । कहानी आप सभी को पसंद आई या नहीं.. प्लीज़ मुझे अपने विचार जरूर भेजिएगा ।

bhole_dubey76@yahoo.com

